

विनोद हत्याकांड के बाद आधी रात जागा पुलिस महकमा, बदले थाना-चौकी प्रभारी

परसपुर और शाहपुर में बदले चौकीप्रभारी खोड़ारे की कमान ज्ञान सिंह को

बॉक्स

लापरवाही के बाद तीन पुलिसकर्मी निलंबित

विनोद साहनी हत्याकांड में पुलिस की कथित लापरवाही सामने आने के बाद परसपुर थाना प्रभारी कमल शंकर चतुर्वेदी, शाहपुर चौकी प्रभारी अंकित सिंह और बीट आरक्षी अभिमन्यु भारती को निलंबित किया जा चुका है।तीनों के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं।घटना के बाद क्षेत्र में बने तनाव और निषाद समाज के आ क्रोश को देखते हुए थाना और चौकी पर नई तैनाती को पुलिस प्रशासन की अहम कार्यवाई माना जा रहा है।

बॉक्स

नए प्रभारियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती

एसपी अभिषेक झा ने नए थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल राय और चौकी प्रभारी निशा निषाद को हत्याकांड की गंभीरता से जांच करते हुए फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीड़ित परिवार को प्रभावी कार्यवाई का भरोसा दिलाने, क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया है।

बॉक्स

सोशल मीडिया पर भी पुलिस की नजर

घटना के बाद किसी भी तरह की अपवाह से माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए एसपी ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।अफवाह फैलाकर शांति व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। निषाद समाज के नेता विनोद साहनी हत्या कांड के बाद पुलिस महकमे में आधी रात बढ़ा फ़ेरबदल किया गया।गोंडा पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवालों और निषाद समाज में बढ़ते आक्रो श के बीच पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने गुरु वार देर रात थाना और चौकी स्तर पर नई तैनाति यां कर दीं।करीब रात 12 बजे खोड़ारे थाने के प्र भारी उपनिरीक्षक

के निर्देश दिए गए हैं। संवेदनशील इलाकों में पुलिस की सतर्कता बढ़ाने और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होने देने को कहा गया है।

बॉक्स

तीन गिरफ्तार,अन्य आरोपितों की तलाश

पुलिस ने मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।कई थानों की पुलिस को जांच में लगाया गया है।पुलिस अन्य आरोपितों की भूमिका की भी जांच कर रही है।एसपी अभिषेक झा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किए जा रहे पोस्ट को लेकर विनोद साहनी की कुछ लोगों से रंजिश थी। इसी विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई। मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी को निलंबित किया गया है।अन्य आरोपितों की भूमिका की जांच की जा रही है।

बॉक्स

खोड़ारे की कमान अब ज्ञान सिंह के हाथ

बहराइच से स्थानांतरित होकर गोंडा आए निरी क्षक ज्ञान सिंह को खोड़ारे थाने का नया प्रभारी बनाया गया है।एसपी ने उन्हें जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम करने और क्षेत्र में अपराध पर प्रभा वी नियंत्रण के निर्देश दिए हैं।देर रात हुए इस फ़ेरबदल के बाद पुलिस के सामने अब दोहरी चुनौती है एक ओर विनोद साहनी हत्याकांड में फरार आरोपियों तक पहुंचना और दूसरी ओर क्षेत्र में कायम तनाव के बीच कानून-व्यवस्था को पूरी तरह नियंत्रण में रखना।



कृष्ण गोपाल राय को परसपुर थाने की कमान सौंपी गई।एसपी के निर्देश पर कृष्ण गोपाल राय ने शुक्रवार तड़के करीब एक बजे परसपुर थाने पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। इसी समय

गोंडा देहात कोतवाली में तैनात महिला उपनिरीक्षक निशा निषाद को शाहपुर चौकी प्रभा री बनाया गया।उन्होंने भी तड़के ही चौकी पहुंचकर चार्ज संभाल लिया।

सड़कों पर रेंगता शहर,जाम में फंसी जिंदगी

रोड वेज मार्ग से चौराहे तक यातायात बेहाल, मरीज-स्कूली बच्चे सबसे ज्यादा परेशान



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था हर दिन लोगों की परीक्षा ले रही है।सुबह से शाम तक प्रमुख मार्गों पर वाहनों की कतार और बार – बार लगने वाला जाम अब असामान्य स्थिति नहीं, ब ल्कि रोजमर्रा की तस्वीर बन चुका है।रोडवेज बस स्टेशन जाने वाले मार्ग पर स्थिति सबसे ज्यादा ख राब नजर आती है।सड़क पर खड़ी बसें, बेतरतीब वाहन और बढ़ता यातायात दबाव मिलकर सड़क को ऐसा संकरा कर देते हैं कि कुछ दूरी का सफर तय करने में लोगों को लंबा समय लग जाता है। गुरुनानक चौराहे से महिला अस्पताल के सामने तक अक्सर वाहनों की लंबी कतार दिखाई देती है।भरत मिलाप चौराहा, बड़गांव चौराहा और जि ला अस्पताल के आसपास भी यही स्थिति बनी रहती है।किसी एक स्थान पर यातायात थमते ही उसका असर आसपास की सड़कों तक पहुंच जा ता है और देखते ही देखते पूरा इलाका जाम की गिरफ्त में आ जाता है।

फरियादियों की शिकायतों पर डीआईजी सख्त, थानेदारों से फोन पर लिया जवाब

गंभीर मामलों में मोके की स्थिति जानी, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन परिक्षेत्र ने शुक्रवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं।गंभीर प्रकृति के प्रकरण सामने आने पर डीआईजी ने संबंधित थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारियों से सीधे टेली फोन पर बातचीत कर मामलों की वर्तमान स्थिति और अब तक की गई कार्यवाई की जानकारी ली। डीआईजी ने अधिकारियों से शिकायतों के निस्त्ा रण में किसी तरह की लापरवाही न बरतने के निर्दे श दिए।उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सु निश्चित किया जाए।गंभीर मामलों में पुलिस की



कार्यवाई की लगातार निगरानी रखने तथा पीड़ितों को अनावश्यक रूप से परेशान न होने देने पर भी जोर दिया गया।जनसुनवाई के दौरान डीआईजी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि

शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और तत्परता दि खाई जाए। लंबित न होने देने पर भी जोर दिया गया।जनसुनवाई के दौरान डीआईजी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि



कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । परसपुर क्षेत्र के कारोबारी और निषाद समा ज से जुड़े विनोद कुमार साहनी की लखनऊ में इलाज के दौरान मौत के बाद गोंडा से लखनऊ तक सियासत गरमा गई।घटना के विरोध में प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद,वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और सपा नेताओं ने लखनऊ में धरना दिया।देर रात तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कार्यवाई करते हुए परसपुर थाना प्रभारी और शाहपुर चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया। मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी भी की गई है।शुक्रवार को गोंडा पहुंचे मंत्री संजय निषाद ने घटनास्थल और पुलिस कार्यवाई को लेकर अधिकारियों पर तीखे सवाल दगे।उन्होंने भारी पुलिस बल की तैनाती पर नाराजगी जताते हुए कहा कि छ्मर्डर भी हुआ

मगरमच्छ के खौफ में बाढ़ पीड़ित, दिन का सुकून छीना, रात की नींद भी गायब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । सरयू-घाघरा का बढ़ता जलस्तर माझा इला के के लोगों के लिए दोहरी मुसीबत बन गया है। एक तरफ घरों और रास्तों में बाढ़ का पानी घुसा है तो दूसरी तरफ परास पट्टी मझवार में भैंस चराने गए किसान पर मगरमच्छ के हमले ने ग्रामीणों के भीतर बैठे डर को और गहरा कर दिया है।करीब तीस हजार बाढ़ पीड़ितों के सामने अब सवाल सिर्फ सुरक्षित रहने का नहीं, बल्कि पानी के बीच हर कदम संभलकर रखने का है।दत्तनगर के बाणी माझा समेत कई गांवों में घरों तक पानी पहुंच गया है। 14 गांवों के रास्ते जलमग्न होने से मुख्य मार्गों का संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों को जरूरी काम के लिए गहरे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। ऐसे में मगरमच्छ के हमले की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।ग्रामीणों का कहना है कि दिन में खेत, बाजार और जरूरी काम के लिए निकलना मज बूरी है,जबकि रात में पानी के बीच किसी अनहोनी का डर सताता रहता है।एल्विन ब्रिज पर घाघरा नदी खतरे के निशान से 49 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, जबकि अयोध्या में सरयू 35 सेंटीमीटर ऊपर है। घाघरा में 3.47 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज होने से माझा क्षेत्र में मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

शासकीय खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का ख्याल रखा जाय : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । शासकीय विभागों में वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुगम, प्रतिस्पर्धात्मक एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पोर्टल के नियमों, प्रक्रियाओं एवं प्रभावी उपयोग से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ तहसील एवं विकास खंड स्तर के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के दौरान जेम पोर्टल के प्रतिनिधि निखिल राय द्वारा अधिकारियों को पोर्टल के माध्यम से शासकीय वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय संबंधी अद्यतन दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि जेम पोर्टल केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी तथा समयबद्ध बनाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, क्रय



कहीं नाव की कमी, कहीं राशन-भूसे का संकट

नवाबगंज के माझा इलाके में रिंग रोड के पूर्वी हि स्से में बसे गांवों में पानी की अधिकता से हालात लगातार बिगड़ रहे हैं।व्योदा माझा में बाजार से गांव को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग पानी में डूब गया है।पुलिया के पास सड़क भी कट गई है।ग्रामीणों को नाव से लेकर राशन और पशुओं के भूसे तक के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।प्रशासक केश वराम यादव ने बताया कि सभी 14 मजराों में पानी है।निर्माणधीन रिंग रोड में पानी निकासी के लिए बनी पुलिया छोटी होने से जलनिकासी प्रभावित हो रही है।उनका कहना है कि पुलिया का आकार बड़ा होना चाहिए।

तीस हजार की आबादी पर 14 नाव

बाढ़ के कारण दो दिन से गांव के प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालय भी पानी से घिरे हैं। विद्यालय बंद हैं और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब तीस हजार की

आबा दी के लिए सिर्फ 14 सरकारी नाव उपलब्ध हैं,एक स्टीमर भी मिला है,लेकिन जरूरत के मुकाबले सं साधन कम पड़ रहे हैं नावों की कमी का असर यह है कि ग्रामीणों को मजबूरी में गहरे पानी से होकर आना-जाना पड़ रहा है।मगरमच्छ के हमले के बाद यही आवाजाही अब ग्रामीणों के लिए और ज्यादा जोखिम भरी महसूस हो रही है।

नाव पर पहुंचीं बीड़ीओ,

तरबगंज में बीड़ीओ सुभिता यादव ने व्योदमाझा प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर रसोई व्यवस्था का जायजा लिया।इसके बाद उन्होंने नाव से बाढ़ प्र भावित इलाकों में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं देखीं।धर, शहर में दोपहर बाद हुई हल्की बारिश ने भी परेशानी बढ़ा दी। कई कालोनियों में कच्चे रास्ते कीचड़ में तब्दील हो गए, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया।

नाव पर पहुंचीं बीड़ीओ,

जेम पोर्टल के प्रभावी उपयोग को लेकर डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुई कार्यशाला



प्रक्रिया के चरणों, वस्तुओं एवं सेवाओं के चयन, विक्रेता चयन, ऑर्डर जारी करने, भुगतान प्रक्रिया तथा अनुबंध संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जेम पोर्टल को पोर्टल के माध्यम से शासकीय खरीद प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शासकीय खरीद संबंधी कार्यों में जेम पोर्टल का चयन कर सकते हैं तथा जाए तथा शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत अनुपालन हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोर्टल के माध्यम से होने वाली खरीद प्रक्रिया में

गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल जानकारी प्रदान करना नहीं, बल्कि अधिकारियों को नवीन तकनीकों एवं प्रक्रियाओं के प्रति दक्ष बनाना भी है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग करते हुए अधिकारी अपने विभागीय कार्यों को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करेंगे। कार्यशाला के दौरान उपरिष्ठत अधिकारियों द्वारा जेम पोर्टल से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रश्न एवं जिज्ञासाएं प्रस्तुत की गईं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। इससे अधिकारियों को पोर्टल के संचालन एवं खरीद प्रक्रिया से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान की जानकारी प्राप्त हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सरवणन टी., उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पन्नालाल सहित जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न तहसीलों एवं विकास खंडों के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैनविज टाइम्स

लखनऊ, शनिवार, 12 सितंबर 2026

www.kanwhizztimes.com

सम्पादकीय

नफरत की आग में दिल्ली

भारत जैसे उदार समझे जाने वाले देश में नफरत को इस कदर बढ़ावा दिया जा चुका है कि आम जनता के बीच से ही कुछ लोग हत्या जैसे जघन्य अपराध को करने में नहीं झिझक रहे हैं। राजधानी दिल्ली में बीते दिन मणिपुर के चर्चित मिटारिस्ट और संगीत शिक्षक चोंगथाम विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला इसका ताजा उदाहरण है। चोंगथाम विक्रम सिंह का कसूर केवल इतना था कि उन्होंने अपने घर के पास शोर मचा रहे कुछ लोगों को टोका। हो सकता है टोकने का यह मामला हत्या तक नहीं पहुंचता, लेकिन चोंगथाम विक्रम सिंह का पूर्वोत्तर से होना क्या इस हत्या का एक अहम कारक बना है, इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा। राज्य और केंद्र की सत्ता पर बैठी भाजपा सरकार ने तो इसमें नस्लीय नफरत के नजरिए तो फौरन खारिज कर दिया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, जो खुद पूर्वोत्तर से आते हैं, का कहना है कि इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए, चोंगथाम विक्रम सिंह पूर्वोत्तर से हैं, ऐसा न देखकर ये देखना चाहिए कि वे भारतीय थे। ऐसी बात सुनने में तो बहुत आदर्शवादी लगती है और कायदे से होना भी यही चाहिए, लेकिन किरण रिजिजू को ईमानदारी से बताना चाहिए कि क्या मोदी सरकार में ऐसा ही होता है। क्योंकि दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में पूर्वोत्तर के लोगों का लगातार नस्लीय हिंसा या उपीड़न का शिकार होना पड़ता है। उत्तराखंड में ही पिछले साल 9 दिसंबर को त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा को चांदनीज और मोमो जैसे अपमानजनक शब्द कहते हुए पीट-पीट कर मार दिया गया था। इसलिए विक्रम सिंह मामले में यह पड़ताल भी करनी ही चाहिए कि इसके पीछे नस्लीय हिंसा थी या नहीं। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि दिल्ली में मणिपुर के संगीतकार चोंगथाम विक्रम सिंह को दुखद मौत के लिए जिम्मेदार हमले की घटना से हम लोग बहुत परेशान हैं। इस घटना ने राजधानी में उत्तर-पूर्वी लोगों द्वारा झेली गई क्रूरता के दर्दनाक घावों को एक बार फिर से हरा कर दिया है। इसी तरह मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी समेत सामने आ रहे सबूतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ तेजी से उचित कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित को जल्द न्याय मिलना चाहिए। क्या भाजपा इन लोगों के बयानों को भी राजनीति बताएगी, क्योंकि ये तो एनडीए नेताओं के ही बयान हैं। वैसे ऐसी हरेक घटना पर पहलुग गांधी की बात ही याद आती है कि नफरत का केरोसिन छिड़का जा चुका है और चिंगारी लगाने की देर है। कुछ वक्त पहले तक शायद इस चिंगारी को सुलगाने वाले लोगों को कानून का कुछ डर तो रहता ही होगा, लेकिन अब ये बेखौफ आम लगा रहे हैं, क्योंकि ऐसे आपराधिक तत्व कहीं न कहीं आक्षरत हैं कि सत्ता में बैठे लोग उन्हें बचा ही लेंगे। दिल्ली में एक दलित को पीटने वाले स्वतंत्र भारद्वाज ने यही कहा था कि उसे पुलिस नहीं पकड़ेगी, क्योंकि मोदीजी उसके बड़े भाई हैं। देश में अब हर गली-कूचे में स्वतंत्र भारद्वाज जैसे लोगों का बड़ जाना समाज के लिए काफी चिंतजनक है। क्योंकि अब बात केवल हिंदू-मुसलमान, दलित-स्पर्ण तक सीमित नहीं रही, समूचे समाज को यह नफरत लील रही है। गौरतलब है कि 54 वर्षीय चोंगथाम विक्रम सिंह पिछले 17 वर्षों से दिल्ली में संगीत सिखाने का काम कर रहे थे। उन्हें मणिपुर के संगीत जगत में एक चर्चित मिटारिस्ट और पश्चिमी संगीत के प्रमुख कलाकारों में गिना जाता था। रविवार रात करीब 11रू30 बजे उन के घर के पास कुछ लोग शोर-शराबा कर रहे थे। इनमें आसपास के दारों में काम करने वाले डिलीवरी और पैकेजिंग कर्मचारी भी शामिल थे। चोंगथाम विक्रम सिंह ने उन लोगों से शोर मचाने से मना किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि सिंह अपने घर की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने उनका पीछा किया और इमारत की तीसरी मंजिल तक पहुंचकर उनके साथ उनको बेरहमी से पीटा। उनकी पत्नी और बेटे ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में तो लिया है, लेकिन इसके बावजूद उनके परिवार समेत पूर्वोत्तर के लोगों को नाईसानी की आशंका है।

सोशल मीडिया पर छाया अरस्सी का खुमार

सोशल मीडिया की दुनिया में आए दिन कोई न कोई नया ट्रेंड आता है और चला जाता है। लेकिन इन दिनों इंटरनेट पर एक ऐसा ट्रेंड छाया हुआ है, जिसने हर किसी को पुरानी यादों की गलियों में घुमा दिया है। बात हो रही है 1980 के दशक वाले एआई जन्मेरेडेड फोटो ट्रेंड की, जिसने आम लोगों से लेकर राजनीति, बॉलीवुड और क्रिकेट जगत के दिग्गजों तक को अपना दीवाना बना रखा है।

आजकल हर ईसान अपनी तस्वीर को चैटजीपीटी या एआई टूल्स में डालकर बस एक ही कमांड दे रहा है - 'मुझे 80 के दशक में दिखाओ'। फिर क्या! एआई आपकी उस सीधी-सादी फोटो को एक झटके में 40 साल पीछे ढकेल देता है। बड़े-बड़े फूले हुए बाल, आंखों पर बड़ा सा एविएटर चश्मा, कंधे पर भारी-भरकम डेनिम जैकेट और पुरानी रीलों वाली हल्की पीली-सी टोन। यह ट्रेंड इतना रियलिस्टिक लगता है कि देखने वाला एक पल के लिए धोखा खा जाए कि यह आज की फोटो है या किसी पुरानी फिल्म का पोस्टर! इस ट्रेंड की सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसने उम्र की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। एक तरफ जहां केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं तो उनके बेटे महाआर्यमन सिंधिया भी अपनी रेट्रो फोटो से स्वैग दिखा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ 70 साल के रिटायर्ड शिक्षक भी पीछे नहीं हैं। 1981 में शादी करने

धर्म मंत्र

बारसूर में मामा मांजा मंदिर में दर्शन के लिए उमड़ते हैं श्रद्धालु

छत्तीसगढ़ के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां धार्मिक स्थलों को देखने के लिए देश-दुनिया से पर्यटक आते हैं। जगदलपुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में भी बारसूर की ऐतिहासिक धरोहरें कुछ ऐसी ही हैं, जिन्हें देखने के लिए हर साल दूर-दूर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। कोई यहां के धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए आते हैं, तो कोई यहां के गौरवशाली इतिहास का जीवंत नजरा देखने आते हैं। छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक ज्ञात पुरातात्विक स्थलों में से एक है बारसूर। यहां के प्रारंभिक इतिहास के बारे में विद्वानों के बीच कोई एक मत नहीं है। कुछ का दवाा है कि यह 840 ईस्वी से पहले के गंगावंशी शासकों की राजधानी थी। अन्य यह तर्क देते हैं कि इसे नागवंशियों द्वारा बनाया गया था। जिन्होंने 10वीं, 11वीं ईस्वी में काकतियों द्वारा विस्थापित किए जाने से पूर्व लगभग तीन शताब्दियों तक इस भूमि की अधिकतर भूमि पर राज्य किया था। यह माना जाता है कि बारसूर में इसके अच्छे दिनों में लगभग 150 मंदिर थे। उनमें से एक 11वीं शताब्दी का चंद्रादित्य मंदिर है। यह माना जाता है कि इसका निर्माण समर्थी सरदार चंद्रादित्य द्वारा करवाया गया था और उसके नाम पर ही इसका नाम पड़ा। यहां पर पाए गए बारसूर शैली की अनेक मूर्तियों में गर्भगृह के दरवाजे पर विष्णु और शिव की संयुक्त प्रतिमा हरी-हर की भव्य मूर्ति है। खंडित मूर्ति में से, महिमासुरमर्दिनी, जिसे स्थानीय रूप से दंतेश्वरी कहते हैं। जिनकी मूर्ति को अभी भी पहचाना जा सकता है। बलिदानों का चित्रण करती हुई मूर्तियां और मंदिर के कोनों में अलंकृत नंदी बैठे हुए हैं।

सोच विचार

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है।

क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है। यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा। यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-धुरव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुधुरवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और

न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है। लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा सपना में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा। – ललित गर्ग

सेहत मंत्र

गुड़ से सिर्फ मिठास ही नहीं, सेहत को कई गुणकारी लाभ भी मिलते हैं

अक्सर लोग घरों में किसी भी चीज में मीठे का प्रयोग करने के लिए चीनी को ही प्राथमिकता देते हैं। पर वास्तव में चीनी स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी हितकर नहीं मानी जाती। यहां तक कि चीनी की तुलना जहर से की जाती है। ऐसे में अगर आप अपनी किसी भी चीज का जायका बढ़ाने के लिए एक हेल्दी ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो गुड़ का सेवन किया जा सकता है। यह एक ओर हेल्दी होता है तो वहीं दूसरी ओर, कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इतना ही नहीं, जब इसका प्रयोग भोजन में किया जाता है तो व्यंजन का स्वाद ही पूरी तरह बदल जाता है। तो चलिए जानते हैं गुड़ के कुछ बेहतरीन लाभों के बारे में? बहुत से लोग भोजन के बाद गुड़ खाना पसंद करते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो समझ लीजिए कि आपको पाचन संबंधी किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। दरअसल, गुड़ में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पेट की सभी समस्याओं को दूर करता है। जिसके

कारण व्यक्ति को पेट में गैस, पेट में दर्द, अपच या कब्ज आदि तकलीफें नहीं होतीं। वहीं अगर आपको भोजन के बाद खट्टी डकारें आ रही हैं तो गुड़ का सेवन, संधा नमक और काला नमक डालकर करें। जिन लोगों को हमेशा ही उच्च रक्तचाप की समस्या रहती है, उन्हें विशेष रूप से गुड़ को भोजन में शामिल करना चाहिए। ऐसा करने से आपका ब्लड प्रेशर नियंत्रण में रहेगा और आप कई तरह की समस्याओं से आसानी से बचे रहेंगे। हड्डियों को लम्बे समय तक फिट बनाए रखने के लिए शरीर में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम होना आवश्यक है। गुड़ में भी कैल्शियम व फास्फोरस प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए अगर इसका सेवन किया जाए तो हड्डियों में कमजोरी व दर्द की समस्या उत्पन्न नहीं होती। वहीं जिन लोगों को पहले से ही ज्वाइंट पेन है, वह भी गुड़ को अदरक के साथ खाएं। नियमित रूप से गुड़ व अदरक के सेवन से आपको कुछ ही दिनों में फर्क नजर आएगा।

सापूतारा : जहां भगवान राम ने बिताए थे वनवास के 11 साल

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें किसी धार्मिक या ऐतिहासिक जगह पर घूमने का शौक होता है। तो वहीं कुछ लोग ऐसे हैं, जो किसी हिल स्टेशन या बीच जैसी जगहों पर घूमना चाहते हैं। आज हम आपको ऐसी जगह के बारे में बताएंगे, जहां धार्मिक लोग भी जाना पसंद करते हैं और ग्रुप के साथ मस्ती करने वाले लोग भी। गुजरात का सापूतारा एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां श्रीराम ने वनवास के 11 साल बिताए थे। सापूतारा का अर्थ है सांपों का घर। यहां बगीचों में बड़े-बड़े सीमेंट के सांप बनाए गए हैं। यहां के जंगलों में सांपों की विभिन्न प्रजातियां भी पाई जाती हैं। गुजरात में सहयाद्री पर्वतमाला की खूबसूरत वादियों में स्थित है सापूतारा। गुजरात के एक मात्र इस हिल स्टेशन यह भी है कि यहां बाकी पहाड़ों की तरह घुमावरदार रास्तेज न के बराबर हैं। यानी पर्यटकों को पहाड़ों पर उल्टी आने की शिकायत रहती है, उनके घूमने के लिए सापूतारा अच्छा विकल्पो हो सकता है।

गर्मियों में अधिकतम 32 डिग्री सेल्सियस से न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस होता है जबकि सर्दियों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16 डिग्री सेल्सियस और 10 डिग्री सेल्सियस होता है। मानसून (जुलाई से सितंबर) में यहां सालाना 255 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की जाती है। यहां हर साल सापुतारा मानसून उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्स व में मिड्रिम् बारिश के बीच प्रदर्शनी, डेयरिंग एक्टिविटीज के साथ, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भोजन महोत्सव, खेल, प्रतियोगिताएं, फ्लैश मॉब तो पर्यटकों को आकर्षित करते ही हैं साथ ही गए हैं। यहां के जंगलों में सांपों की विभिन्न प्रजातियां भी पाई जाती हैं। गुजरात में सहयाद्री पर्वतमाला की खूबसूरत वादियों में स्थित है सापूतारा। गुजरात के एक मात्र इस हिल स्टेशन यह भी है कि यहां बाकी पहाड़ों की तरह घुमावरदार रास्तेज न के बराबर हैं। यानी पर्यटकों को पहाड़ों पर उल्टी आने की शिकायत रहती है, उनके घूमने के लिए सापूतारा अच्छा विकल्पो हो सकता है।



अधिवक्ता परिषद ने सेवा दिवस मनाया स्थापना दिवस,मंगलम अस्पताल के डाक्टरों ने सैकड़ों वकीलों का किया स्वास्थ परीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। अधिवक्ता परिषद अवध की जिला इकाई द्वारा सेवा दिवस के रूप में स्थापना दिवस मनाया गया।इस अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित मंगलम अस्पताल के डा आर एस गुप्ता वा डा रंजन गुप्ता वा उनकी टीम ने सी से अधिक अधिवक्ताओं का बी पी/,शुगर वा ई सी जी परीक्षण किया। अधिकांस अधिवक्ताओं का बी पी/शुगर वा हार्ट की ई सी जांच सामान्य पाई गई।

अधिवक्ता परिषद अवध प्रान्त के उपाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में अधिवक्ता परिषद के उद्देश्य को समझाते हुए कहा कि यह संगठन राष्ट्र के हित में काम करने वाला विश्व का सबसे बड़ा संगठन है।उन्होंने दत्तोपंत टेंगडी द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष सिंह ने कहा कि अधिवक्ता परिषद ने अधिवक्ताओं के स्वास्थ की चिंता करके अच्छा शिविर



लगाया जो प्रशंसनीय है।जिला इकाई के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी एडवोकेट की अध्यक्षता,महामंत्री सचिन प्रताप सिंह के निर्देशन में ज्ञान प्रकाश शुक्ल एडवोकेट के सफल संचालन में आयोजित इस स्वास्थ शिविर में जिला

बार एसो अध्यक्ष रमन द्विवेदी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता,जिला बार एसो के पूर्व अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह,पूर्व अध्यक्ष बी के दीक्षित,पूर्व अध्यक्ष वब्बन सिंह,पूर्व अध्यक्ष एम पी सिंह,पूर्व अध्यक्ष योगेन्द्र वर्मा,पूर्व अध्यक्ष हिसाल बारी

किदवाई,जिला शासकीय अधिवक्ता राजस्व श्रवण सिंह,जिला प्रचारक रवि निराला,नगर प्रचारक विभम सिंह,पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर दयाल शर्मा,पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश सिंह,उपभोक्ता अदालत के न्यायिक सदस्य रहे वरिष्ठ



अधिवक्ता हुमायूं नईम खां,राज किशोर सोनी,रवि रंजन श्रीवास्तव,प्रभाकर गुप्ता,सुरेश गौतम,सुषमा शर्मा,अंजली यादव,शक्ति मिश्रा,सुधा गौतम ,संजय मिश्रा,के वी गुप्ता ,यासिर अराफात कैफी,बृज किशोर पांडेय, देवेन्द्र

यादव,आदि सैकड़ों अधिवक्ता जनों ने गुप्ता,अध्यक्ष जिला बार एसो रमन द्विवेदी जांचे कराकर डा आर एस गुप्ता वा डा रंजन गुप्ता से उपचार प्राप्त किया।अधिवक्ता परिषद जिला इकाई की ओर से प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार

पाण्डेय,डा आर एस गुप्ता वा डा रंजन गुप्ता,अध्यक्ष जिला बार एसो रमन द्विवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता सहित आगंतुक अतिथियों का पुष्प गुच्छ,चूल्हे,माला वा अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।

पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा निपुण भारत मिशन के तहत आयोजित पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) प्रशिक्षण शुक्रवार को बीआरसी कार्यालय सभागार बल्दीराय में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में विकासखंड के विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, सहायक अध्यापक एवं शिक्षामित्रों ने प्रतिभाग किया।

यह प्रशिक्षण खंड शिक्षा अधिकारी श्याम बिहारी के निरेशन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को मजबूत बनाना तथा शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी एवं गतिविधि आधारित शिक्षण की व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। पांच दिनों तक चले प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को



एनसीईआरटी की पुस्तकों के प्रभावी उपयोग, निपुण लक्ष्य, 10 टूल्स, संदर्शिका, कैच-अप, जीआरआर तथा 4

ब्लॉक सहित महत्वपूर्ण शैक्षिक विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। संदर्भदाताओं ने केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं,

बल्कि कक्षा-कक्ष में इन संसाधनों और विधियों के प्रभावी प्रयोग की व्यवहारिक समझ भी विकसित कराई।

चेकिंग के नाम पर परेशान करने का आरोप, बड़े वाहनों पर रोक से बढ़ी दिक्कत

रामनगर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। रामनगर कस्बे में वाहन चेकिंग को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि पुलिस आए दिन अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की चेकिंग के नाम पर आम राहगीरों को परेशान करती है। खासकर स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले अभिभावकों और रोजमर्रा की खरीदारी के लिए कस्बे में आने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक रामनगर चौराहे से कस्बे की ओर आने वाले मार्ग पर आए दिन पुलिसकर्मों वाहनों की चेकिंग के लिए खड़े रहते हैं। लोगों का आरोप है कि बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक की बात कही जाती है, लेकिन बाद में कथित तौर पर व्यवस्था बदल जाती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बीते गुरुवार को थाने के सामने से बाहरी बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास पुलिस की ओर से रोक लगाए जाने से लोगों को कई किलोमीटर घूमकर घर पहुंचना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब उन्होंने पुलिसकर्मियों से खुद को कस्बे का निवासी बताते हुए रास्ता खोलने की मांग की तो उन्हें थाने पर फोन कर ड्यूटी हटवाने की बात कही गई। लोगों का यह भी आरोप है कि बड़े वाहनों पर सख्ती के बावजूद ई-रिक्षा चालक मनमाने ढंग से सवारियां भरकर चलते हैं। कस्बेवासियों ने पुलिस अधिकारियों से चेकिंग व्यवस्था की समीक्षा कर आम लोगों को अनावश्यक परेशानी से राहत दिलाने की मांग की है।

भक्ति के रंग में रंगा बड़ागांव, निकला कन्हैया डोल मसौली, बाराबंकी। जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को ग्राम पंचायत बड़ागांव में कन्हैया डोल जुलूस परंपरागत उत्साह के साथ निकाला गया। भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। जुलूस हनुमान मंदिर से शुरू होकर बड़ी चौक, हरिजन बस्ती, मढ़ीटोला, नालीपर, मंझपटिया और बकसौर टोला होते हुए देर शाम पूर्वी मैथ्या मंदिर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान कबड्डी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपनिरीक्षक आदित्य गौतम, राम नायक सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार सहित पुलिस बल तैनात रहा। जुलूस में रामखेलावन यादव, ननकऊ यादव, कृष्ण कुमार गुप्ता, प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, रमेश यादव, कल्लूराम यादव, विजय कश्यप, दिलीप यादव, जगत वर्मा, सुरजन मास्टर, राहुल यादव, अंकित यादव, नितिन यादव, बाबी यादव, शौरभ यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

दिलावरपुर पति पर महिला से मारपीट और धमकी देने का आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुघचाई थाना क्षेत्र के दिलावरपुर गांव में घरेलू विवाद को लेकर महिला ने अपने पति पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि विरोध करने पर पति ने लात-धूंसें से उसकी पिटाई कर दी। शोर् सुनकर पहुंचे उसके भाई ने किसी तरह बीच-बचाव कर उसे बचाया। दिलावरपुर निवासी सावित्री देवी पत्नी लालबहादुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका पति आए दिन गाली-गलौज कर उसे परेशान करता है। आरोप है कि नौ सितंबर को भी पति ने उसके साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। महिला का कहना है कि आरोपी ने बांका दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी है। घटना के दौरान शोर सुनकर उसका भाई प्रवीण पुत्र बाबूराम मौके पर पहुंचा और बीच-बचाव किया।महिला ने पुलिस से मामले की शिकायत की पर अभी तक कोई कार्रवाई न होने से पीड़िता परेशान हैं।

करंट की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। घर के अंदर बिजली के करंट की चपेट में आकर अधेड़ बुरी तरह झुलस गया।गाम्भीर हालत में इलाज के लिए स्थानीय सीएचसी ले जाया गया।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान अधेड़ की मौत हो गई। शुक्रवार को कूरेभार थाना क्षेत्र के सरैया मझौवा गांव के पूरे डीगर, पांडे का पुरवा में करंट की चपेट में आने से अरुण पांडेय(50)पुत्र शिव शंकर पांडेय गंभीर रूप से झुलस गए। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।चिकित्सक की सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

निन्दूरा में तालाब घोटाला : दिन में सन्नाटा, रात में 66 मजदूरों की भूतिया हाजिरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। विकासखंड निन्दूरा में भ्रष्टाचार अब बेराम्पी की सारी हद्दें पार कर गया है। बरसात में लंबालब भरे तालाबों पर जीर्णोद्धार के नाम पर ऐसा घालमेल हो रहा है कि जांच की तलवार बड़े-बड़ों की गर्दन पर लटक गई है, फिर भी ब्लॉक के नौकरशाहों की मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं। ग्राउंड जीरो पर दूसरा दिन भी फर्जीवाड़े का पर्दाफाश -

गुरुवार सुबह 11:30 बजे पलिया का तालाब। नजारा देखिए - तालाब पानी से भरा, किनारे पम्पिंग सेंट पड़ा और पूरे स्थल पर एक भी मजदूर नहीं। काम ठपा। और पोर्टल पर देखिए - दिन भर ट्रुउ-क़ टथ्द क़ पोर्टल पर हाजिरी जीरो। जैसे ही रात हुई, 8 मास्टर रोल में 66 मजदूरों की हाजिरी अपलोड। बुधवार को भी वही स्क्रिप्ट - सुबह 11:45 बजे मौके पर 0



मजदूर, रात 11 बजे पोर्टल पर 66 मजदूर।

मतलब साफ है - दिन में जीरो, रात में हीरो। उजाले में काम से गायब और अंधेरे में कागजों पर सैकड़ों पार। सबसे बड़ा सवाल - पानी में कौन सा जीर्णोद्धार?

जब तालाब में घुटने भर पानी है तो खुदाई कैसी? सुंदरीकरण कैसा? ये सिर्फ कागजों पर जेसीबी चल रही

पलिया में पानी भरे तालाब पर जीर्णोद्धार का फर्जी खेल, VB-G Ram G पोर्टल बना लूट का हथियार

है और घर बैठे मस्टररोल भरे जा रहे हैं।

निगयानी फ़ेल, उक़ मौन - इस लूट को रोकने के लिए तैनात तकनीकी सहायक, इच्, सचिव सब आंख मूंदे हैं। तभी तो बिना सत्यापन के 66 फर्जी हाजिरी पास हो रही है।

जब इस पर उक़ अनम कुमार वर्मा से पक्ष जानने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझा। उनका मौन ही बहुत कुछ कह रहा है। पलिया तो सिर्फ ट्रेंलर है, पूरी फिल्म निन्दूरा ब्लॉक में चल रही है। अगर डीएम ने इस रात वाली हाजिरी का ऑडिट करा दिया तो कईयों की नौकरी जाएगी और कईयों को जेल।

लूट के आरोपी को मिली अंतरिम जमानत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के कान्हापुर गांव में मारपीट कर मंगलसूत्र ले जाने के आरोप में दर्ज मुकदमे के आरोपी दुर्गेश दूबे उर्फ मोनू को अदालत से अंतरिम जमानत मिल गई। मामले में आरोपी की नियमित जमानत पर सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तारीख निर्धारित की

गई है। कान्हापुर निवासी सरोज यादव ने पुलिस को तहरीर देकर दुर्गेश दूबे उर्फ मोनू पर फोन पर गाली-गलौज करने तथा मारपीट कर मंगलसूत्र ले जाने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर जयसिंहपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी की ओर से अधिवक्ता सवितोष पाण्डेय ने जनपद न्यायाधीश के समक्ष जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत

नहर में मिली मां और नवजात की लाश मामले में पति के खिलाफ मुकदमा

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बीते बुधवार को नरसिंहपुर के पास शारदा नहर खंड-16 में महिला और उसके नवजात शिशु के शव मिलने के मामले में नया मोड़ सामने आया है। मृतका मनीषा के पिता जगजीवन पासी पुत्र राम प्रताप निवासी बीही निंदुरा की तहरीर पर पुलिस ने मृतका के पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मनीषा और उसके नवजात शिशु का शव बीते बुधवार को शारदा नहर खंड-16 में नरसिंहपुर के पास बरामद हुआ था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की थी। घटना के बाद से ही मामले को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे थे। अब मृतका के पिता की तहरीर पर अखिलेश कुमार पुत्र देवराज निवासी बीही निंदुरा के विरुद्ध मु0अ0सं0 193/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 80(2), 238, 351(3) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस अब घटना की परिस्थितियों, मृतका के वैवाहिक जीवन, आरोपों तथा नहर में शव पहुंचने के कारणों सहित विभिन्न पहलुओं की जांच करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी, तीन मामलों का मौके पर निस्तारण

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। शुक्रवार को दादरा और प्यारेपुर सरैया ग्राम पंचायतों में खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार की मौजूदगी में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों को ब्लॉक स्तर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। दादरा में सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन, राशन कार्ड तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को बताया गया। राम कैलाश और राम लखन ने परिवार रजिस्टर की नकल के लिए आवेदन किया, जिस पर ग्राम पंचायत सचिव अजय कुमार वर्मा ने मौके पर ही नकल उपलब्ध कराकर दोनों मामलों का निस्तारण किया। वहीं प्यारेपुर सरैया में दयाराम ने परिवार रजिस्टर की नकल के लिए आवेदन किया। सचिव अखिलेश्वर ने नकल उपलब्ध कराकर मामले का तत्काल निस्तारण किया। चौपाल में एडीओ पंचायत बृजेश कुमार, एडीओ समाज कल्याण पवन कुमार वर्मा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आमीन सिकंदर, ग्राम प्रधान इंदु कुमार यादव सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

कच्ची दीवार गिरने से चार घायल, जिला अस्पताल रेफर

निंदुरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुंघटेर कोतवाली क्षेत्र के दलेरनगर मजरे दीनपनाह गांव में गुरुवार रात हुई बारिश के बाद शुक्रवार भोर करीब चार बजे कच्ची दीवार छप्पर समेत भरभराकर गिर गई। मलबे में दबकर चार लोग घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशकत के बाद सभी को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने चारों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पांच निवासी साबिर पुत्र मुनव्वर के घर की कच्ची दीवार बारिश के कारण कमजोर हो गई थी। शुक्रवार भोर अचानक दीवार के ऊपर रखा छप्पर भी दीवार के साथ गिर पड़ा। हादसे में परवीन (35), गुलअफसा (16), हफसा और कहकसा (12) मलबे में दबकर घायल हो गई। सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

सेना भर्ती की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रभारी अधिकारी प्यारे लाल मौर्य आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस बरेली कैटोनमेंट के पत्र के क्रम में वर्ष 2027 की भर्ती के लिए उत्तर प्रदेश में आयोजित अग्निवीर रैलियों की श्रृंखला में, दूसरी रैली 14 से 30 सितम्बर 2026 तक बरेली स्थित जाट रेजिमेंट सेंटर बरेली छावनी में आयोजित की जाएगी। यह रैली क्षेत्रीय भर्ती कार्यालय (यूपी और यूके) के अन्तर्गत सेना भर्ती कार्यालय, बरेली द्वारा आयोजित किया जायेगा, जिसमें अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी), अग्निवीर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्सडसमेन (8वीं और 10वीं पास) उम्मीदवारों के लिए होगा। अग्निवीर वर्ल्क/स्टोर कीपर टेक्निकल (एस के टी) उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर भर्ती रैली 05 अक्टूबर 2026 को रुड़की स्थित बीईजी सेंटर में आयोजित की जाएगी।यह रैली भर्ती का आयोजन उत्तर प्रदेश के बारह जिलों यानी हरदोई, पीलीभीत, सीतापुर, बरेली, बहराईच, बलरामपुर, बदरग्यू, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, सम्भल, शाहजहाँपुर और श्रीवस्ती के लिए भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। केवल वे उम्मीदवार भर्ती रैली में भाग लेने के पात्र होंगे जो 01 से 12 जून 2026 तक आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंसस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने एडमिट कार्ड में उल्लिखित तिथि और समय पर उपस्थित हों और रैली अधिसूचना में दिया हुआ सभी मूल दस्तावेज साथ लाएं। सेना भर्ती रैली, भारतीय सेना और जिला प्रशासन बरेली के द्वारा निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे दलाओं, एजेंटों या विधेिलियों से सम्पर्क न करें और न ही उन्हें भुगतान करें, क्योंकि कोई भी व्यक्ति भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकता है। दिनांक 15 सितम्बर 2026 को अग्निवीर (टेक्निकल) (सीतापुर, पीलीभीत, बहराईच, बलरामपुर, श्रीवस्ती, शाहजहाँपुर और लखीमपुर खीरी जिले एवं (ट्रेड्सडसमेन आठवी एवं दसवी) (सभी जिले जो ए.आर.औ. बरेली के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। दिनांक 21 सित्म्बर 2026 को अग्निवीर (जनरल ड्यूटी) पीलीभीत और फर्रुखाबाद जिले के कैमगंज तहसील के लिए।

शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारो अगर किसी कारणवश उन्हें अपनी पंजीकृत ई-मेल आई.डी. से रैली एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में किसी प्रकार की दुविधा उत्पन्न होती है तो वे सेना भर्ती कार्यालय, बरेली में प्रातः 09 बजे से 02 बजे के बीच सम्पर्क कर सकते हैं।



श्रीलंका में लय नहीं बन पा रही थी, दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने से फायदा मिला: सिराज

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने स्वीकार किया कि दो महीने के विश्राम के बाद उन्हें श्रीलंका दौर में अपनी गति और लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था लेकिन दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने से उन्हें अपनी लय हासिल करने में मदद मिली है। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के दौरान अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिखे। वह लय हासिल नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति भी काफी कम हो गई थी। सिराज ने इस श्रृंखला की चार पारियों में केवल 44 ओवर किए थे। सिराज ने दलीप ट्राम्पी फाइनल के बाद पत्रकारों से कहा, ‘‘दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच खेलना आसान नहीं था। मैं पूरी तरह से लय हासिल नहीं कर पाया था। मैं ऐसा गेंदबाज हूँ जो पूरी तरह से लय पर निर्भर है। अगर मैं लय में नहीं हूँ, तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा,



‘‘श्रीलंका में यही मेरी समस्या थी। मैं अपने रनअप से तालमेल नहीं बिठा पा रहा था। मेरे कुछ कदम बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे। इससे मेरी लय टूट गई और मेरी गति धीमी हो गई। अफगानिस्तान के खिलाफ आठ जून को समाप्त हुए एकमात्र टेस्ट मैच के बाद 32 वर्षीय सिराज ने दो महीने का ब्रेक लिया और फिर भारत के

श्रीलंका दौर के लिए टीम में शामिल हुए। इस दौर की शुरुआत सात अगस्त को थी। मेरे कुछ कदम बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे। इससे मेरी लय टूट गई और मेरी गति धीमी हो गई। अफगानिस्तान के खिलाफ आठ जून को समाप्त हुए एकमात्र टेस्ट मैच के बाद 32 वर्षीय सिराज ने दो महीने का ब्रेक लिया और फिर भारत के

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय नहीं, भारत एशिया कप फाइनल के लिए तैयार है: दीपति शर्मा

दुबई। भारत की अनुभवी ऑलराउंडर दीपति शर्मा ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक के शानदार प्रदर्शन के बावजूद खराब क्षेत्ररक्षण को लेकर जताई जा रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि केच छूटना खेल का हिस्सा है और टीम फाइनल में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं लेकिन उसका क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा है। विशेषकर उसने कई केच छोड़े।
सेमीफाइनल में भी बांलादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने चार मौके गंवाए थे। दीपति ने भारत की सेमीफाइनल में बांलादेश के खिलाफ 40 रन की जीत के बाद कहा, ‘‘क्षेत्ररक्षण में एक टीम के तौर पर हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम अग्न्यास के दौरान भी क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘‘मुझे लगता है कि कभी-कभी ऐसा होता है, लेकिन हम फाइनल में तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।
फाइनल में भारत का सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान या मौजूदा चैंपियन श्रीलंका से होगा। दीपति ने कहा कि टीम इन दोनों टीमों के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल को देखने के बाद अपनी रणनीति बनाएगी। उन्होंने कहा, ‘‘इस मैच के बाद हम कल बैठक करेंगे। इससे हमें फाइनल के लिए रणनीति बनाने में और अधिक मदद मिलेगी। दीपति ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए छह गेंदों में 13 रन बनाए और फिर गेंदबाजी करते हुए 36 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने कहा, ‘‘जब भी मुझे बल्लेबाजी का मौका मिलता है, मुझे हमेशा भरोसा रहता है कि मैं बल्लेबाजी में भी योगदान दे सकती हूँ। मैं हमेशा टीम के लिए एक ऑलराउंडर के तौर पर योगदान देना चाहती हूँ।

ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के करीब पहुंचा डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 105 डॉलर के पास

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार तेजी का रुख है। ब्रेंट क्रूड आज 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंचता नजर आ रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड आज 15 अप्रैल के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड 108 डॉलर के स्तर को पार कर 108.77 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब 104.46 डॉलर प्रति बैरल के ऊपरी स्तर पर पहुंच कर कारोबार करता नजर आया। ब्रेंट क्रूड ने आज बिना किसी बदलाव के 107.63 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के बाद ये कुछ देर के लिए फिसल कर 107.16 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कीमत में आई इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड ने देखते ही देखते 108 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 108.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद इसकी कीमत में गिरावट आ गई, जिसकी वजह से फिसल कर गुरुवार के क्लोजिंग लेवल से भी नीचे पहुंच गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 0.97 डॉलर प्रति बैरल यानी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 106.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 1.43 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 103.91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 101.57 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 104.46 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.76 डॉलर प्रति बैरल यानी 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आपको बता दें कि अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के खिलाफ लगातार हमला करने और सख्त कदम उठाने की चेतावनी देने के कारण पश्चिम एशिया के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। खासकर, अमेरिका द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान के पास ईरान के 5 ऑयल टैंकर्स पर हमला करने और जवाब में ईरान द्वारा जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में तनाव काफी बढ़ गया है। इसके अलावा ईरान ने हॉर्मुज स्ट्रेट में जहाजों को निशाना बनाए जाने की भी चेतावनी दी है, जिसकी वजह से इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह से टप पड़ गई है। इस तनाव के बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के पश्चिमी बंदरगाहों पर नाकाबंदी और हमलों का दावा बढ़ा दिया है, जिससे बाब-अल-मंदेब और लाल सागर में समुद्री व्यापार का संकट गहरा गया है। तनाव के कारण खाड़ी के देशों से होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग टप हो गई है। फारस की खाड़ी और लाल सागर दोनों रास्तों से मालवाहक जहाजों की आवाजाही के लिए बढ़ते खतरों के बीच कच्चे तेल की आसमान पर पहुंचने लगी है। इस सप्ताह के पहले पांच दिन में ही कच्चे तेल की कीमत में लगभग 13 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के आखिरी दिन 5 सितंबर को ब्रेंट क्रूड 96.10 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर था। रविवार की छुट्टी के बाद 7 सितंबर यानी सोमवार से लेकर आज तक की ट्रेडिंग में इसकी कीमत में 12.67 डॉलर प्रति बैरल यानी 13.18 प्रतिशत की तेजी आ गई है।

पिलपकार्ट मिनट्स ने दर्ज की चार गुना वृद्धि नेटवर्क 150 से ज्यादा शहरों तक पहुंचा

नई दिल्ली। देश के ऑनलाइन खुदरा बाजार में पिलपकार्ट की क्विक कॉमर्स पेशाकश पिलपकार्ट मिनट्स ने लांचिंग के बाद तेजी से विस्तार करते हुए सालाना आधार पर चार गुना वृद्धि दर्ज की है। पिछले दो वर्षों में प्लेटफॉर्म का नेटवर्क बढ़कर 150 से अधिक शहरों में लगभग 1,200 माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर तक पहुंच गया है। इस प्लेटफॉर्म ने शुरुआत से अब तक चार लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। कंपनी ने कहा कि इस वृद्धि में टियर 2+ बाजारों की अहम भूमिका देखने को मिल रही है। इसमें अंबाला, बाराबंकी, भागलपुर, दुर्गापुर, कानपुर, रुड़की, सिलीगुड़ी, सलेम और तिरुपूर जैसे शहरों में ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब 25 गुना बढ़ा है। इन बाजारों में मांग अब रोजमर्रा की जरूरतों तक सीमित नहीं है। कोरियन नूडल्स, सॉस और रेडी-टू-ईट मील्यू जैसे उत्पादों के साथ-साथ प्रीमियम स्किनकेयर और पर्सनल केयर कैटेगरी में भी मजबूत मांग देखने को मिल रही है। कंपनी ने कहा कि पिलपकार्ट मिनट्स पर जैन जेट (ब्रह्म ढ्रु) सबसे तेजी से बढ़ने वाला ग्राहक वर्ग बनकर उभरा है। पिछले 12 महीनों में इस वर्ग का ग्राहक आधार सालाना आधार पर करीब पांच गुना बढ़ा है।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मैच से देश में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा : जापान के कप्तान

एजेंसी

नयी दिल्ली। जापान के कप्तान केंडल कादोवाकी-फ्लेमिंग और युवा आल राउंडर चार्ली हारा-हिंजे का मानना है कि भारत के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाला ऐतिहासिक टी20 मुकाबला सिर्फ एक यादगार मौका नहीं होगा बल्कि बेसबॉल के प्रति जुनूनी देश में क्रिकेट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत साबित हो सकता है। भारतीय टीम दोनों देशों के बीच पहले अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए जापान का दौरा करेगी और सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर होने वाला यह मुकाबला आइची-नागोया में एशियाई क्रिकेट एसोसिएशन के लिए एशियाई खेलों में भारत के साथ अफगानिस्तान और नेपाल की मेजबानी करना इस बात का प्रमाण है कि जापान में



क्रिकेट ने कम समय में कितनी प्रगति की है। उन्होंने कहा, ‘‘यह बेहद रोमांचक है। और मुझे लगता है कि अफगानिस्तान और नेपाल जैसे देशों का जापान आना यहाँ क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा विकास है। कुछ साल पहले तक हमने शायद सोचा

भी नहीं होगा कि इसे आयोजित करना संभव होगा। हालांकि यह मौका ऐतिहासिक होगा लेकिन जापान के कप्तान का कहना है कि उनकी टीम सिर्फ इस मौके का जश्न मनाने के लिए मैदान पर नहीं उतरेगी। उन्होंने कहा, ‘‘भारत के खिलाफ खेलने का मौका जितना भी रोमांचक होगा, हम सिर्फ इस मौके का जश्न मनाने के लिए नहीं उतर रहे हैं। हम यह दिखाने के लिए

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी की कीमत में आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार उछाल आया है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,55,100



रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रितेल कैरेट सोना आज 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत

पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

क्रूड ऑयल के तीखे हुए तेवर, बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगातार रॉकेट की रफ्तार से ऊपर चढ़ रही है। ब्रेंट क्रूड आज 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमत में आई इस जोरदार तेजी से भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी नकारात्मक असर पड़ने की आशंका बन गई है। माना जा रहा है कि कच्चे तेल की कीमत में आए इस उछाल के कारण महंगाई बढ़ने के साथ ही रुपये के कमजोर होने की आशंका भी बनी हुई है।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सीधे सैन्य संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट में ऑयल टैंकर्स पर हुए हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल पिछले चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गया है। भारत



अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। मार्केट करने के लिए भारतीय तेल कंपनियों को एक्सपोर्ट्स का कहना है कि एक प्रमुख ऑयल इंपोर्टर देश होने की वजह से कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण असर शेयर बाजार, भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत और घरेलू बाजार पर नजर आने लगा है। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि कच्चे तेल के महंगे होने का सबसे पहला और बड़ा झटका भारतीय मुद्रा को

लगा है। ऑयल इंपोर्ट बिल का भुगतान करने के लिए भारतीय तेल कंपनियों को डॉलर की मांग में भारी बढ़ोतरी करना पड़ा है। डॉलर की मांग में आई तेजी के कारण डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया रिकॉर्ड कमजोरी के साथ 95.80 के स्तर तक गिर गया। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक लगातार अपने विदेशी मुद्रा भंडार से मुद्रा बाजार में डॉलर जारी करके रुपये को संभालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यदि क्रूड की कीमत इसी स्तर पर बनी रहें, तो रुपये पर

खेल मंत्रालय ने आईओए को दी छूट, 16 सदस्यीय कार्यकारी परिषद जारी रखने की अनुमति दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को विशेष छूट देते हुए खेल मंत्रालय ने उसे 16 सदस्यीय कार्यकारी परिषद जारी रखने की अनुमति दे दी है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सिफारिश की थी कि परिषद के सदस्यों की संख्या में बदलाव नहीं किया जाए जबकि राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के तहत इसे 15 सदस्यों तक सीमित करने का प्रावधान है। एक राजपत्र अधिसूचना में मंत्रालय ने कहा कि उसने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम की धारा 37(2) के तहत यह छूट देने का फैसला किया है। इस प्रावधान के तहत खेल संस्थाओं को अपने अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों के अनुरूप बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय कानूनों में आवश्यक छूट दी जा सकती है। फिलहाल आईओए की कार्यकारी परिषद में 16 सदस्य हैं जिनमें भारत में आईओसी के पदेन सदस्य भी शामिल हैं।



उन्हें मतदान का अधिकार प्राप्त है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम में स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रीय खेल संस्थाओं को अपने कामकाज के संचालन में अंतरराष्ट्रीय चार्टर और नियमों का ‘मुख्य रूप से पालन’ करना होगा। मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, ‘‘आईओए से मंत्रालय को एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें बताया गया है कि अधिनियम की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित संविधान का मसौदा आईओसी को उसकी टिप्पणियों के लिए भेजा गया था। इसमें

कहा गया, ‘‘आईओसी ने विशेष रूप से सिफारिश की है कि कार्यकारी परिषद के सदस्यों की संख्या को यथावत रखा जाए और इसे भारत में आईओसी सदस्यों की संख्या से स्वतंत्र रखा जाए। इसका मतलब यह होगा कि आईओसी सदस्य के अलावा कार्यकारी परिषद में 15 अन्य सदस्य होंगे। आईओए ने ओलंपिक चार्टर और आईओसी के नियमों का पालन करने के लिए छूट मांगी थी, साथ ही अधिनियम के शासन संबंधी सिद्धांतों और अन्य आवश्यकताओं का पालन जारी रखने की बात कही थी।

न्यूजीलैंड टेस्ट में केल राहुल के प्रदर्शन पर रहेगी नजरें : बोल्ट

नयी दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट का कहना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में के एल राहुल भारत के प्रमुख बल्लेबाज साबित होंगे। राहुल की बल्लेबाजी के कायल बोल्ट का मानना है कि वह श्रृंखला के प्रमुख खिलाड़ियों में होंगे। टेस्ट क्रिकेट में 317 विकेट ले चुके 37 वर्ष के बोल्ट ने यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग द्वारा कराये गए बोल्ट के इंटरव्यू में कहा , ‘‘ मैं केएल राहुल की बल्लेबाजी का बड़ा प्रशंसक हूँ। वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में शीर्षक्रम का प्रमुख खिलाड़ी हैं। जायसवाल भी टीम में है। दो शानदार बल्लेबाजों को खेलते देखना रोचक होगा। उन्होंने कहा भारतीय टीम जब भी न्यूजीलैंड में टेस्ट क्रिकेट खेलने आती है तो देखने में मजा आता है। यह दौरा परवरी मार्च की बजाय अक्टूबर नवंबर में हो रहा है जब मौसम काफी ठंडा होगा।

देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य वेतन संबंधी मुद्दों को लेकर कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे ग्राहकों को परेशानी हुई। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर हड़ताल का असर नहीं पड़ा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक इयूनियन (यूएफबीयू) के एक दिवसीय हड़ताल के आह्वान का निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर असर नहीं पड़ा है।यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहें। स्टेट बैंक, पीएनबी और यूनियन बैंक सहित देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंक आज से लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। यूएफबीयू ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने और वेतन संबंधी 2 साल से लंबित मुद्दों

के समाधान की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर बैंकों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल से कामकाज पर पड़ने वाले संभावित असर की जानकारी दी है। देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अधिकतर शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रहें, क्योंकि अधिकांश कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। इस हड़ताल से ज्यादातर बैंकों (पीएसबी) और कुछ पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कामकाज जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। एसबीआई ने ग्राहकों को जारी एक परामर्श में कहा कि बैंक ने हड़ताल के दिनों में शाखाओं और कार्यालयों का सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हड़ताल के कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

दबाव और अधिक बढ़ सकता है। बड़ी बात तो ये है कि अगर रिजर्व बैंक ने मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह ज्यादा बढ़ाया तो इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। वैष्णव का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से बने तेल संकट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ साफ नजर आ रहा है। उच्च लागत और मार्जिन घटने के डर से कई प्रमुख सेक्टरों में जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना हुआ है। आज भी बीएसई का सेंसेक्स इंड्र-डे में 740 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार की स्थिति को कुछ हद तक सहारा भी दिया। हालांकि कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों को सीधा फायदा भी मिल रहा है। इसी तरह खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रविचंद्र खुराना का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी से देश की ऑयल

मार्केटिंग कंपनियां सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाली हैं। इसकी वजह से ऑयल बाजार में डॉलर का प्रवाह ज्यादा बढ़ाया तो इससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। वैष्णव का कहना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से बने तेल संकट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी साफ साफ नजर आ रहा है। उच्च लागत और मार्जिन घटने के डर से कई प्रमुख सेक्टरों में जबरदस्त बिकवाली का दबाव बना हुआ है। आज भी बीएसई का सेंसेक्स इंड्र-डे में 740 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार की स्थिति को कुछ हद तक सहारा भी दिया। हालांकि कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों को सीधा फायदा भी मिल रहा है। इसी तरह खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रविचंद्र खुराना का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी से देश की ऑयल

ऋषिकुल बनेगा आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा का विशिष्ट केंद्र: सीएम धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार स्थित श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान, ऋषिकुल के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित मास्टर प्लान की समीक्षा की। उन्होंने इसे आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के विशिष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि ऋषिकुल के विकास में आयुर्वेद, मेडिकल टूरिज्म, योग, ज्योतिष और वैदिक गणित को विशेष प्राथमिकता दी जाए। इन क्षेत्रों में उच्च स्तरीय शैक्षणिक, अध्ययन एवं शोध की सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि संस्थान भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शोध के बीच प्रभावी सेतु के रूप में विकसित हो सके। मुख्यमंत्री आवास में हुई बैठक में प्रस्तुत मास्टर प्लान के तहत ऋषिकुल को योग एवं ध्यान, आयुर्वेद एवं



समग्र स्वास्थ्य, भारतीय दर्शन, वैदिक एवं शास्त्रीय अध्ययन, कला-संस्कृति और शोध गतिविधियों के समन्वित केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना प्रस्तुत की गई। धामी ने कहा कि आयुष, योग और संस्कृत उत्तराखंड की विशिष्ट पहचान हैं और ऋषिकुल के विकास में इन क्षेत्रों को प्रमुखता से प्रवर्धित किया जाना चाहिए।

संस्थान में भारतीय ज्ञान, प्राच्य विद्याओं, आयुर्वेद और योग से संबंधित उच्च स्तरीय अध्ययन एवं शोध के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार किया जाए। उन्होंने परिसर के वास्तुशिल्प को प्राच्य एवं पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए। भवनों के बाहरी स्वरूप और फसाड में प्राचीन स्थापत्य परंपरा की

झलक के साथ परिसर में आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि प्राचीनता और आधुनिकता के संतुलित समन्वय से ऋषिकुल की विशिष्ट पहचान विकसित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के प्रत्येक पहलू में इसकी मूल अवधारणा स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। परिसर को इस तरह विकसित किया जाए कि यहां आने वाले लोगों को भारतीय संस्कृति, ज्ञान और अध्यात्म की अनुभूति हो। हरिद्वार के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए ऋषिकुल के विकास की अवधारणा में मां गंगा और हरिद्वार की विशिष्ट पहचान को भी केंद्र में रखा जाए। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ऋषिकुल में भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, योग और अध्यात्म की समृद्ध विरासत को जानने और अनुभव करने का अवसर मिलना चाहिए।

अमृतसर में स्कूटी की टक्कर से घायल पंजाब पुलिस के एसआई की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। स्कूटी की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए पंजाब पुलिस के एसएसआई पवन कुमार शर्मा की शुक्रवार को मौत हो गई। पिछले 12 दिनों से उनका इलाज चल रहा था। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी और हालत नाजुक होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।



पवन कुमार शर्मा अमृतसर के रहने वाले थे और लॉरेंस रोड पर यातायात पुलिस में तैनात थे। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त की दोपहर करीब 1:45 बजे बज सेलब्रेशन रोड के पास अन्य पुलिसकर्मियों के साथ ड्यूटी पर थे। इसी दौरान उन्होंने तेज रफ्तार से आ रही एक स्कूटी को हाथ के इशारे से रोकने की कोशिश की। स्कूटी सवार के नहीं रुकने पर एसएसआई पवन कुमार सड़क के बीच तक पहुंच गए। इसी दौरान पीछे से दूसरी स्कूटी पर सवार दो युवक आए। अचानक सामने आए एसएसआई को वे देख नहीं पाए और स्कूटी ने

डॉ. सतीश पूनिया ने ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ की तैयारियों के लिए दिनभर की बैठकें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। प्रस्तावित ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ की व्यापक तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं पंजाब मामलों के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने आज चंडीगढ़ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं विभिन्न टीमों के साथ बैठकों की श्रृंखला आयोजित की। बैठकों का सिलसिला सुबह 10 बजे शुरू हुआ और दिनभर जारी रहा। इन बैठकों में प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों, समन्वय एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. पूनिया ने पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेताओं प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह दिल्लीं, डॉ. नरेंद्र सिंह रैना, मनप्रीत सिंह बादल, सुनील जाखड़, अश्वनी शर्मा एवं मंथरी श्रीनिवासुलु के साथ विचार-विमर्श किया। इसके बाद प्रदेश महासचिव अनिल सरीन, रजनीश धीमान, जीवन गर्ग एवं परमिंदर बराड़ तथा प्रदेश यात्रा टीम के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रस्तावित यात्रा के संगठनात्मक एवं संचालन संबंधी



पहलुओं पर चर्चा की गई। दोपहर बाद प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी, सोशल मीडिया प्रमुख अजय अरोड़ा एवं प्रदेश आईटी प्रमुख कंवर इंद्रजीत के साथ भी बैठक हुई। इसके बाद राज्य सभा संसदों,

जिनमें राघव चड्ढा, संदीप पाठक, सतनाम सिंह संधू एवं अशोक मित्तल, शामिल रहे, के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। डॉ. पूनिया ने प्रस्तावित ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ को पंजाब के हर वर्ग तक पहुंचाने

तथा प्रदेश में नशे के खिलाफ भाजपा के संदेश को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने के लिए बेहतर समन्वय, विस्तृत योजना एवं मजबूत संगठनात्मक तैयारियों की आवश्यकता पर जोर दिया।

संजीवनी सेवा वाहन ने वृद्ध, दिव्यांग व विधवा लाभकों को योजनाओं के प्रति किया जागरूक

किशनगंज। जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश पर बुनियाद केंद्र, किशनगंज के संजीवनी सेवा वाहन के माध्यम से शुक्रवार को वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा लाभकों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और बुनियाद केंद्र की सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत प्रखंड किशनगंज की चकला पंचायत के फुलवारी, सिधिया एवं लहरा चौक में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। संजीवनी सेवा वाहन के माध्यम से इन क्षेत्रों में पहुंचे कर्मियों ने आम लोगों को बुनियाद केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लाभकों को विस्तार से बताया गया। इस दौरान वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं विधवा लाभकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। स्वच्छता, स्वास्थ्य और सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यूथ रेड क्रॉस सोसायटी उत्तराखंड के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय खाड़ी, सितारगंज ने संयुक्त रूप से हाइजिन व सैनिटाइजेशन विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हाइब्रिड मोड पर आयोजित की। जिसमें शिक्षाविदों, चिकित्सा विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न